संयोजक रोवर्स एवं रेंजर्स की कलम से ...

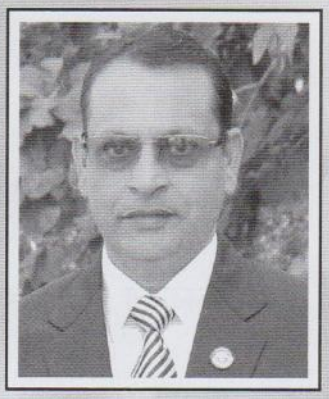

स्काउटिंग/गाइडिंग एक स्वैच्छिक, गैर राजनीतिक, शैक्षिक आन्दोलन है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के चारित्रिक विकास से जुड़ा हुआ है। इसके द्वारा जहां एक ओर विभिन्न क्रिया-कलापों के माध्यम से विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण का प्रयास किया जाता है, योग्यता में अभिवृद्धि की जाती है, वहीं दूसरी ओर स्वार्थ को सेवा में बदल कर सेवकों की एक लम्बी श्रृंखला सृजित की जाती है।

युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए स्काउटिंग/गाइडिंग प्रशिक्षणों के माध्यम से उन्हें स्वस्थ, सुखी और उपयोगी नागरिक के रूप में विकसित किया जाता है। खेल-खेल में स्वास्थ और चारित्रिक विकास के साथ-साथ पायनियरिंग, पुल बनाना, लाभदायक वस्तुओं के निर्माण तथा आत्माभिव्यक्ति की कला की सीख दी जाती है। आग बुझाने, मार्ग दुर्घटना, वृक्ष व बर्फ की दुर्घटनाएं, तैरने व नावों की दुर्घटनाएं आदि से बचाव के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे वे स्वयं के विकास के साथ-साथ दूसरों की सहायता करने में भी सक्षम हों।

रोवरिंग कब और स्काउट के रूप में प्राप्त नागरिकता के प्रशिक्षण का ही निरंतर क्रम है। रोवरिंग युवाओं के लिए एक ऐसा वैयक्तिक प्रशिक्षण एवं अनुभव है, जो स्काउट आदर्शों के अनुरूप लोकतांत्रिक धरातल पर प्राप्त किये जाते हैं और आगे चलकर वे समग्र रूप से व्यक्ति और समूह के व्यवहार को नियंत्रित करते हैं। जिससे वे व्यक्ति और समष्टि दोनो रूपों में अपने जीवन में इन आदर्शों को चरितार्थ कर सकें।

अपने जीवन में एक रोवर स्काउट और रेंजर गाइड स्काउटिंग के प्रतिज्ञा, नियम और सिद्धान्त को आसानी से अपना लेते हैं क्योंकि इनमें भारतीय संस्कृति के बीज परिलक्षित होते हैं। हर वस्तु, हर मौसम, हर कठिनाइयों के क्षण में स्काउटिंग की विधियाँ उसके अपने जीवन जीने की कलाएं बन जाती हैं। उन्हीं में उसे परमानन्द मिलता है क्योंकि उसके मन की भावना, तन की कामना, उसके यौवन की मांग, विनम्रता का बाना पहने साहस, वफादारी व विश्वसनीयता का रूप लेकर अनुशासन, प्रकृति के साथ प्रकृति का सौन्दर्यपान करता हुआ देश, जाति, सम्प्रदाय आदि के बन्धनों को नकारता हुआ अपने जीवन में मितव्ययीता की पूंजी लेकर मनशा, वाचा, कर्मणा से शुचिता का प्रयास, उसके तन, मन व हृदय में एक ज्योति पुंज प्रज्जवलित कर देता है, जिससे वह जीवन भर के लिए स्काउट बन जाता है।

मैं कुलपति प्रो. वी.के. सिंह के प्रति हृदय से कृतज्ञ हूँ। आपने जैसे ही मुझे यह दायित्व सौंपा और आपका मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, मैं चिन्तन, मनन एवं अध्ययन शुरू किया और मुझे विश्वास हुआ कि रोवरिंग/रेंजरिंग की शिक्षा व्यक्ति के जटिल जीवन को सुगम बनाने का उत्तम मार्ग है, जो जीवन को आनन्द से भर देता है।

रोवरिंग/रेंजरिंग पत्रिका 'दिग्दर्शिका' के सफल प्रकाशन हेतु महामहिम श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक जी तथा उ.प्र. के माननीय मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर परमपूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज का आशिर्वाद प्राप्त हुआ। हम हृदय से आपके प्रति श्रद्धानवत् हैं।

प्रादेशिक सचिव श्रीमती कुसुम मनराल, प्रादेशिक संगठन आयुक्त श्री हंसपाल जी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण श्री रविशंकर सिंह जी, शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार सिंह, कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री महेन्द्र नाथ सिंह, डॉ. बी.एन. सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष, उ.प्र. राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ उत्तर प्रदेश स्काउट एवं गाइड के सभी पदाधिकारी, विश्वविद्यालय के समस्त आचार्य, सहयुक्त आचार्य, सहायक आचार्य, सहयोगियों तथा जिला प्रशिक्षण आयुक्त श्री अजय कुमार के सिंह के प्रति अपना कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने दिग्दर्शिका के प्रकाशन में अपना अमूल्य योगदान प्रदान किया है।

प्रोफेसर विनय कुमार सिंह
संयोजक, रोवर्स एवं रेंजर्स
आचार्य, प्राणि विज्ञान विभाग
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर